RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-21 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 06 जून से 12 जून 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

कर्नाटक के बाद बीजेपी ने बदली रणनीति, दक्षिण में कांग्रेस को रोकने के लिए अब बनाया ये प्लान

BJP लोकसभा चुनाव 2024 में जीत दर्ज करने के लिए हर राज्य में एक अलग रणनीति पर काम कर रही है। आंध्र और तेलंगाना के लिए बीजेपी जल्द ही बड़ा फैसला ले सकती है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम वाले दिन जब रुझाने आने शुरू ही हुए थे, तब बीजेपी नेता अपराजिता सारंगी ने कहा था, हम कभी हारते नहीं, या तो हम जीतते हैं या फिर सीखते हैं। कर्नाटक चुनाव परिणाम पूरी तरह से स्पष्ट होने से पहले ही बीजेपी एकबार फिर से दक्षिण भारत के लिए अपनी रणनीति को दुरुस्त करने में जुट चुकी थी। कर्नाटक दक्षिण का एकमात्र राज्य था, जहां बीजेपी सत्ता में काबिज थी।

बीते शनिवार को देर शाम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। कहा जा यहा है कि यह मीटिंग बीजेपी के बदले हुए प्लान का हिस्सा थी और अब दोनों पार्टियां आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के चुनावों के लिए साझेदारी करने की तैयारी कर रही हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि शनिवार को लगभग घंटे भर चली बैठक में जो भी चर्चा हुई, उसे पीएम नरेंद्र मोदी से ग्रीन सिग्नल मिलने की उम्मीद है। पीएम इस सिलसिले में चंद्रबाबू नायडू के साथ मीटिंग भी कर सकते हैं।

माना जाता है कि आंध्र की लड़ाई में जगन मोहन रेड्डी टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू से आगे हैं। बीजेपी के गठबंधन को चंद्रबाबू नायडू भी अपने लिए एक मौके के रूप में देखते हैं। दूसरी तरफ भाजपा को तेलंगाना में होने वाले लाभ में अधिक दिलचस्पी मालूम पड़ती है। तेलंगाना में बीजेपी आक्रामक रूप से केसीआर पर निशाना साध रही है और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर भारी भी पड़ रही है।

बीजेपी का टीडीपी के साथ गठबंधन पवन कल्याण की जनसेना पार्टी को भी अपने साथ ला सकता है। इससे बीजेपी को दोनों राज्यों में कांग्रेस को महत्वपूर्ण रूप से कम करने में मदद मिलेगी। बीजेपी नेताओं के अनुसार, कर्नाटक में मिली हार के बाद अब बीजेपी की रणनीति है कि कांग्रेस को अब दक्षिण के किसी और राज्य में बढ़त हासिल करने से रोकना है।

बीजेपी खासतौर पर तेलंगाना में बढ़ रही है। स्थानीय निकाय चुनावों में जीत के साथ उसने राज्य की दो मुख्य पार्टियों - बीआरएस और कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सिर्फ

1 सीट के साथ 7 फीसदी से भी कम वोट मिला था। साल 2020 में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम चुनाव में पार्टी को 150 में से न सिर्फ 48 वार्डों में जीत मिली जबकि उसे 35 फीसदी वोट भी हासिल हुए। हाल ही में हुए उपचुनाव में भी बीजेपी बढ़ती दिखाई देती है।

ओडिशा हादसा क्यों हुआ, भारतीय रेल की सबसे बड़ी खामी और अगले 20 साल का रोडमैप

भारतीय रेल एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ओडिशा हादसे ने जिस तरह से 275 लोगों की जान ली है, सुरक्षा से लेकर सरकार के रोडमैप को लेकर संशय है।

आजाद भारत की सबसे बड़ी रेल त्रासदी से देश अभी भी उभरा नहीं है, वो 2 जून की शाम ओडिशा के बालासोर के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रही। पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर, फिर यशंवतपुर एक्सप्रेस की कोरोमंडल की ही बिखरी हुई बोरियों से टक्कर। हुआ क्या- 275 लोगों की दर्दनाक मौत, 1000 से ज्यादा लोग घायल, कई की हालत गंभीर। किसी ने हाथ गंवाया, किसी का पैर गया तो किसी का सिर ही धड़ से अलग हो गया। सब जगह लाशें बिछ गईं और मातम पसर गया। जांच शुरू हो गई है, मुआवजे का ऐलान किया जा चुका है, राजनीति भी चरम पर चल रही है। लेकिन एक सवाल तो वहीं का वहीं रह गया- भारत में रेल हादसे होते क्यों हैं? आजादी के 75 साल हो गए हैं,लेकिन ये विनाशकारी दुर्घटनाएं रुकती क्यों नहीं? कहां चूक रहा है भारतीय रेल? इस समय किन चुनौतियों का सामना कर रहा है रेल? आने वाले 20 सालों का रोडमैप क्या रहना चाहिए?

सवाल- ओडिशा हादसे का कारण क्या रहा- तकनीकी खराबी या फिर मानवीय भूल?

देखिए, प्रमुख रूप से तो हम ये मानवीय भूल ही मानेंगे। मान भी लीजिए अगर किसी मशीन में कोई खराबी आई हो, या डिजाइन में कुछ इशू रहा हो, तो भी अंत में इसके तार तो 'ह्यूमन एरर' से ही जुड़ते हैं। वैसे भी हमे हर घटना के हमेशा मानवीय पहलू को ज्यादा तवज्जो देनी चाहिए। उसे टेक्निकल फेलियर बता देना या मशीन में खराबी बताना गलत है। मशीन ठीक तरह से बनी है कि नहीं, वो चेक करना जरूरी रहता है। वो ठीक तरह से मेंटेन हो रही है या नहीं, कोई दिक्कत है तो ठीक किया जा रहा है या नहीं, वो देखना जरूरी रहता है। ऐसे में रेलवे तो पूरी तरह Human Intensive है। कितने लोग काम कर रहे हैं, ट्रैक मैन से लेकर स्टेशन मास्टर, गार्ड तक। ऐसे में अब किसी एक आदमी की गलती हो सकती है या एक से ज्यादा लोग भी जिम्मेदार हो सकते हैं।

कटक और भुवनेश्वर का दौरा करेंगी ममता बनर्जी, कहा- ये सच्चाई को दबाने का समय नहीं

ममता बनर्जी ने कहा कि मैं फिर से कटक और भुवनेश्वर का दौरा करूंगी। बुधवार को हम ओडिशा ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि और नौकरी पत्र के चेक सौंपेंगे।

ओडिशा ट्रेन हादसे में जान गंवाने वालों को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने श्रद्धांजलि दी पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रेलवे बोर्ड द्वारा बालासोर ट्रेन हादसे की सीबीआई जांच की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम चाहते हैं कि लोग सच्चाई जानें। यह सच्चाई को दबाने का समय नहीं है।

अमित शाह से मीटिंग के बाद बृज भूषण के खिलाफ आंदोलन से पीछे हटीं साक्षी मलिक, धरना किया खत्म

लंबे समय से चल रहे पहलवान आंदोलन से रेसलर साक्षी मलिक ने खुद को अलग कर लिया है। साक्षी मलिक के साथ ही बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने भी धरना प्रदर्शन खत्म करने का फैसला किया है। गृहमंत्री अमित शाह से मीटिंग के बाद ये फैसला लिया।

दरअसल, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के नेतृत्व में तमाम पहलवानों ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ खोल रखा था। ये पहलवान 23 अप्रैल से जंतर मंतर पर धरना दे रहे थे। पहलवानों ने बृजभूषण शरण पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इससे पहले जनवरी में भी पहलवानों ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना दिया था। हालांकि, तब खेल मंत्रालय के दखल के बाद पहलवान वापस लौट गए थे।

प्रदर्शन खत्म

साक्षी मलिक के साथ बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट ने भी बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना प्रदर्शन को खत्म कर दिया। इस बीच दावा किया जा रहा है कि बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली नाबालिग रेसलर बयान से पलट गई है। दावे के मुताबिक, नाबालिग ने दिल्ली के कनॉट प्लेस पुलिस थाने में बयान दिए। इसके बाद उसे पटियाला हाउस कोर्ट ले जाया गया, जहां उसने बयान वापस ले लिए।

मुख्तार अंसारी को उम्रकैद-कांग्रेस नेता अजय राय ने कोर्ट की चौखट पर टेका मत्था, बोले- सत्य की जीत हुई

करीब 32 वर्ष पुराने अवधेश राय हत्याकांड के मामले में माफिया मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने उस पर 1.20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट रूम से बाहर निकलने के दौरान मामले के मुख्य गवाह अवधेश राय के भाई कांग्रेस नेता अजय राय ने अदालत की चौखट पर मत्था टेका

विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) अवनीश गौतम की अदालत ने सोमवार को करीब 32 वर्ष पुराने अवधेश राय हत्याकांड के मामले में माफिया मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर 1.20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने पर मुख्तार को छह महीने की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। हालांकि, सभी सजाएं साथ चलेंगी। मुख्तार ने अब तक जेल में जो समय बिताया है, वह आजीवन कारावास की सजा में समायोजित हो जाएगी। अदालत ने लगभग सवा दो बजे मुख्तार अंसारी को उम्र कैद की सजा सुनाई तो कोर्ट परिसर हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। कोर्ट रूम से बाहर निकलने के दौरान मामले के मुख्य गवाह अवधेश राय के भाई कांग्रेस नेता अजय राय ने अदालत की चौखट पर मत्था टेका और कहा कि तीन दशक से ज्यादा लंबे संघर्ष के बाद सत्य और न्याय की जीत हुई है। इसलिए न्यायपालिका को दंडवत प्रणाम कर हृदय से आभार जताया है ।अवधेश राय हत्याकांड में फैसला 31 वर्ष 10 महीने दो दिन बाद आया है।

सम्पादकीय

भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने का दावा हकीकत से दूर

ओड़ीशा के बालासोर में हुआ रेल हादसा यह बताने के लिए काफी है कि भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने का दावा चाहे कितना भी किया जाए, लेकिन यह सपना अभी हकीकत से दूर है। एक साथ तीन रेलगाड़ियों का आपस में टकराना इस बात की पुष्टि है कि या तो रेलगाड़ियों के परिचालन के प्रबंधन में घनघोर लापरवाही बरती गई या फिर रखरखाव और सुरक्षा के इंतजामों में व्यापक खामी है।

खबरों के मुताबिक, शनिवार शाम को यशवंतपुर से हावड़ा जा रही दुरंतो एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए और विपरीत दिशा से आ रहे कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा गए। इसके बाद दूसरी रेलगाड़ी की कई बोगियां भी पटरी से उतर गईऔर वहीं खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। इस तरह एक साथ तीन रेलगाड़ियों की टक्कर हो गई और सिर्फ इतने से ही हादसे की भयावता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस दुर्घटना में दो सौ पिचहत्तर लोगों की जान चली गई और ग्यारह सौ पिचहत्तर लोग घायल हो गए। सवाल है कि जिस दौर में समूची रेल व्यवस्था को आधुनिकतम स्वरूप देने की बात की जा रही हो, उसके बारे में इस घटना के बाद क्या राय बनेगी! इस हादसे के बाद स्वाभाविक ही इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि चलती ट्रेन को सामने से आ रही किसी ट्रेन से टकराने से रोकने के लिए जिस 'कवच' नाम की व्यवस्था के इस्तेमाल की बात हो रही थी, क्या उसका दायरा और उसकी उपयोगिता अभी सीमित है? हालांकि इस घटना के बारे में आई खबरों में बताया गया कि एक रेलगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर गए और इस वजह से हादसा हुआ।

लेकिन क्या दुर्घटना वाले मार्ग पर 'कवच' की व्यवस्था थी? इसके समांतर इस बात की पड़ताल करने की जरूरत है कि ट्रेन के बेपटरी होने का क्या कारण है। क्या पटरियों में पहले से कोई खामी थी, उससे कोई छेड़छाड़ की गई थी या फिर ट्रेन के परिचालन में कोई ऐसी चूक या लापरवाही हुई, जिसकी वजह से डिब्बे पटरी से उतरे। वजह चाहे जो हो, लेकिन सच यह है कि ट्रेन के सफर को सुरक्षित मान कर अपने-अपने घर या किसी गंतव्य के लिए चले बहुत सारे लोगों की जान चली गई या वे बुरी तरह हताहत हुए। सवाल है कि क्या इस चूक के लिए किसी की जिम्मेदारी तय की जाएगी!

दरअसल, पहले हुए इसी तरह के हादसों के मद्देनजर ऐसे इंतजाम किए जाने की जरूरत महसूस की गई थी कि अगर कभी ट्रेनों में आमने-सामने टक्कर की स्थिति बने तो 'कवच' की मदद से उससे बचा जा सके। 'कवच' का पूर्व परीक्षण भी हो चुका है। लेकिन अगर ताजा रेल दुर्घटना के बारे में शुरुआती कारणों को ध्यान में रखें तो ऐसा लगता है कि बचाव के इंतजामों पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

हाल के दिनों में रेलयात्रा को बेहतर करने के क्रम में इस बात पर भी ज्यादा जोर दिया जा रहा है कि रेलगाड़ियों की रफ्तार और ज्यादा बढ़ाई जाए। सवाल है कि तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ियों के लिए क्या रेलगाड़ियों और पटरियों की गुणवत्ता और उनके रखरखाव के साथ-साथ निर्बाध रास्ते को लेकर भी क्या उसी अनुपात में काम किए गए हैं, ताकि लोगों की रेल यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित बनाया जा सके? रेलवे में संरक्षा और सुरक्षा कर्मियों के कितने पद रिक्त हैं? बालासोर हादसे से यह साबित होता है कि यात्रा के बढ़ते खर्चे के बीच हर कुछ दिनों बाद सरकार की ओर से रेलगाड़ियों में सुविधाएं और सुरक्षा के साथ-साथ उसके सुरक्षित परिचालन को लेकर दिए जाने वाले आश्वासनों के बरक्स सच्चाई संतोषजनक नहीं है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

बिगड़ता पर्यावरण और हमारी जिम्मेदारी

पर्यावरण प्रदूषण ने मानव सभ्यता की तमाम गतिविधियों और विकास पर जो असर पिछले तीन दशकों में डाला है, उसका असर कई दशकों तक बना रहेगा।

जब से प्रदूषण से होने वाली समस्याएं बढ़ी हैं, केंद्र और राज्य सरकारों ने अपने स्तर से इससे छुटकारा पाने के लिए कदम उठाए हैं। सवाल उठता है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण से निजात पाने के लिए आबंटित धन और योजनाओं से पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है?

पर्यावरण प्रदूषण ने मानव सभ्यता की तमाम गतिविधियों और विकास पर जो असर पिछले तीन दशकों में डाला है, उसका असर कितने दशकों तक बना रहेगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, यह ऐसा धीमा जहर है जिसका प्रभाव हमारी सेहत सहित तमाम दूसरी गतिविधियों पर पड़ता रहता है। कोरोना के पहले पर्यावरण प्रदूषण कई समस्याओं, संकटों, बीमारियों, विकास में रुकावट, आर्थिक प्रगति में रुकावट और संपूर्ण वायुमंडल को जहरीला बनाने का कारण समझा जाता था। इसका मतलब यह नहीं कि पर्यावरण प्रदूषण के कारण पड़ने वाले असर, इससे बढ़ रहीं समस्याएं, संकट, बीमारियां, ऋतु चक्र में बदलाव जैसे अनगिनत समस्याओं को प्राथमिकता की सूची से निकाल दिया जाए।

वर्ष 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित संकल्पों के अनुरूप भारत पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जी 20 देशों में भारत अकेला देश है जो समझौते का अनुपालन कर रहा है। इसके तहत वन क्षत्रों को बचाना और बढ़ाना शामिल है। लेकिन बात इतनी ही नहीं है। वायु प्रदूषण के अलावा जल, ध्वनि, मिट्टी, अग्नि और अति प्रकाश प्रदूषण जैसी समस्याएं भी हैं, जिनके दुष्प्रभावों के असर से कई स्तरों पर समस्याएं पैदा हुई हैं।

पिछले छह महीनों से पर्यावरण प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ा है। ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक विश्व में प्रदूषण के मामले में जिन तीस शहरों को शामिल किया गया, उनमें दिल्ली दूसरा सबसे प्रदूषित शहर है। इसके अलावा भारत के बाईस दूसरे शहर भी सर्वाधिक दुनिया के प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। गौरतलब है कि पर्यावरण बेहतरी के संकल्पों को अमल में लाने के बावजूद प्रदूषण की समस्या में कोई खास तब्दीली नहीं आई है। इसके बावजूद हम पर्यावरण को बेहतर रखने के प्रति संवेदनशील नहीं हैं।

वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ती बीमारियों, ग्लोबल वार्मिंग, सुनामी और धरती के बढ़ते तापमान की बड़ी वजह बढ़ते वायु प्रदूषण को माना है। धरती का बढ़ता तापमान और ऋतु चक्र में आए बदलाव की सबसे बड़ी वजह विषैली कार्बन ऊर्जा है। हमारे देश में 2005 की तुलना में कार्बन उत्सर्जन में इक्कीस प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन यह बहुत कम है। दिल्ली, गुरुग्राम, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर और दूसरे शहरों में हवा अति खराब श्रेणी में लगातार बने रहने का मतलब है पर्यावरण की बेहतरी के लिए और अधिक कारगर कदम उठाने की जरूरत है।पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक देश में 2040 तक स्वच्छ ऊर्जा की मांग आज की तुलना में तीन गुना बढ़ जाएगी। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि देश के कई राज्य जहां यूरिया, अमोनिया, जिंक सल्फेट और कीटनाशक बनाने के कारखाने हैं, जिनकी चिमनियों से तरह-तरह की जहरीली गैसें निकलतीं हैं, इनसे बुरी तरह से पर्यावरण खराब होता है। फूलपुर और आंवला में यूरिया बनाने के बहुत बड़े कारखाने हैं।इन कारखानों से निकले जहरीले पानी और गैस की वजह से तमाम समस्याओं से लोगों को रूबरू होना पड़ रहा है। बिहार में बहने वाली कई नदियों और कोलकाता में हुगली नदी डेढ़ सौ से ज्यादा चर्म, कपड़ा, कागज, पटसन, शराब और दूसरे आधुनिक उद्योगों के उच्छिष्टों की वजह से इतनी अधिक प्रदूषित हो गई है कि इसे हाथ से छूना बीमारी को बुलाने जैसा लगता है।इसी तरह भारत-नेपाल को बांटने वाली सरीसवा नदी नेपाल के उद्योगों से निकले उच्छिष्टों के कारण बहुत अधिक प्रदूषित हो गई है। गौरतलब है कि सरीसावा नदी सदियों से सौ से अधिक गांवों के लिए जीवन यापन का साधन बनी हुई थी। लेकिन चर्मशोधक कारखानों, शराब फैक्ट्रियों और चीनी मिलों से निकले जहरीले पानी और उच्छिष्टों की वजह से अब यह मौत का कारण बन गई है।

पिछले पच्चीस सालों में दस हजार से ज्यादा जानवर इसके विषैले पानी के सेवन के कारण मौत का शिकार हुए हैं। यह जल प्रदूषण के कारण हुआ है। गंगा प्रदूषण निवारक समिति के मुताबिक 2033 किलोमीटर इस ऐतिहासिक नदी का 480 किलोमीटर हिस्सा उद्योगों के उच्छिष्टों और अवशिष्टों के लगातार मिलने की वजह से बुरी तरह प्रदूषित हो गया है। कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा, ताप्ती, भीमा, साबरमती और यमुना भी उद्योगों से निकलने वाले उच्छिष्टों के कारण बुरी तरह प्रदूषित है। केरल की चलियार नदी रेयान कारखाने से निकले विषैले पानी के कारण इतनी प्रदूषित हो गई है कि इसका पानी किसी इस्तेमाल के काबिल नहीं रह गया है।प्रदूषण की समस्याओं में हवा और जल प्रदूषण सबसे अधिक मनुष्य को प्रभावित कर रही हैं। अगर हवा में घुली विषैली गैसों की बात करें तो दिल्ली में बेंजीन कारसिनोजन की तादाद तीन से नौ गुना तक बढ़ चुकी है। यह बेंजीन का खतरनाक स्तर है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इससे दिल्ली में कैंसर के मामले दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं।

इसी तरह बिहार और झारखंड में विद्युत ताप घरों से निकलने वाली जहरीली गैसों और प्रदूषित वाटी के इस्तेमाल से हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। वहीं दिल्ली, हरियाणा और आंध्र प्रदेश में हर साल हजारों की तादाद में सांस की बीमारियों और कैंसर से हजारों लोग मौत के शिकार हो जाते हैं। मध्य प्रदेश और झारखंड में चूना भट्ठों से निकलने वाली गैसों से सांस से संबंधित तमाम बीमारियां होने से हजारों लोग मौत के पंजे में फंस जाते हैं। मुंबई, लुधियाना, सूरत, कोलकता और मुल्क की दूसरी तमाम कपड़ा मिलों के मजदूरों में आंख और श्वास संबंधी तमाम बीमारियां आम बात है। मध्य प्रदेश के सतना, बानमोर, कैमोर, गोपालनगर और जामुल में सीमेंट के बड़े-बड़े कारखाने हैं। कैमोर में देश का सबसे बड़ा सीमेंट का कारखाना है। इससे और दूसरे सीमेंट के कारखानों से चौबीसों घंटे धूल उड़ती रहती है। इनकी चिमनियों से धूल के विषैले कणों के अलावा कार्बन डाइआक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड और सल्फर डाइआक्साइड जैसी जहरीली गैसें निकलती हैं। इनकी वजह से दमा और टीबी के अलावा खून में होमोग्लोबिन की तादाद कम हो जाती है। राजधानी दिल्ली में जितना प्रदूषण है, उसमें चौबीस फीसद फैक्ट्रियों के जरिए होता है। इसके अलावा राजधानी क्षेत्र फरीदाबाद, गुरुग्राम और नोएडा में सैकड़ों फैक्टरियों से जहरीली गैसें निकलतीं हैं। उनसे सौ किलोमीटर की परिधि में नाइट्रोजन, सल्फर डाइआक्साडड, कार्बन मोनो आक्साइड और दूसरी जहरीली गैसों की तादाद बढ़ जाने से आंख, नाक, दिमाग, फेफड़े ,गले, आंत और पाचन संबंधी बीमारियां आमतौर पर हो जाती हैं।जब से प्रदूषण से होने वाली समस्याएं बढ़ी हैं, केंद्र और राज्य सरकारों ने अपने स्तर से इससे छुटकारा पाने के लिए कदम उठाएं हैं। सवाल उठता है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण से निजात पाने के लिए आबंटित धन और योजनाओं से पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है? जाहिर है, हवा और जल प्रदूषण से निजात पाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले कारकों के संबंध में आम लोगों को भी समझाने की जरूरत है। जब तक आम आदमी पर्यावरण पर लापरवाह बना रहेगा और हवा, पानी, मिट्टी और वातावरण में तेज आवाज के जरिए ध्वनि प्रदूषण करता रहेगा, तब तक प्रदूषण संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। मात्र कानून बना देने से बात बनने वाली नहीं है। इसलिए वैज्ञानिक आम लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की सलाह देते रहते हैं। पिछले तीस सालों में दिल्ली सहित भारत के छोटे-बड़े नगरों, शहरों और कस्बों में बढ़ती समस्याओं ने यह जाहिर कर दिया है कि अगर बेहतर जिंदगी जीना है तो प्रदूषण को कम करना होगा। आवश्यकता इस बात की है कि हम पर्यावरण और अपने हित में प्रदूषण करने वाले कारकों को कम से कम उपयोग करें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें। यानी बढ़ती विकट पर्यावरण की समस्याओं को जीवन-मरण के प्रश्न जैसा अति गंभीरता से लेना होगा।

एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लूटी अस्मत

पीड़िता को गांव ले गया था आरोपी, मारपीट कर धमकाया

इंदौर। 21 साल की युवती को एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने के नाम पर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी युवती झांसा देकर अपने मामा के गांव ले गया और संबंध बनाए। बाद में उसे मारपीट कर धमकाया।

मामला राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि 21 वर्षीय युवती की रिपोर्ट पर राहुल निवासी ग्राम कनेहेरी सुजानपुर जिला धार, हाल मुकाम हवा बंगला द्वारकापुरी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी से उसकी जान पहचान थी। उसने एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने की बात कही थी। मैं उसकी बातों में आ गई। इसका फायदा उठाकर वह अपने मामा के गांव केट के समीप सहयोग नगर में आनंद फार्म हाउस पर ले गया और यहां पर उसकी मर्जी के खिलाफ कई बार जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। बाद में उसने नौकरी भी नहीं दिलाई। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्दी ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अल्टो कार से ले जा रहे थे बीयर की पेटियां

आबकारी ने घेराबंदी कर किया गिरफ्तार

इंदौर। अल्टो कार में रखकर बीयर की पेटियां ले जा रहे दो तस्करों को आबकारी की टीम ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। गिर त में आए आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में बीयर की पेटियां बरामद की गई है। आरोपी उक्त माल की डिलेवरी दे पाते उससे पहले ही हत्थे चढ गए।

सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आईटी पार्क रिंग रोड से शहर की ओर आ रही अल्टो कार(एमपी 09 एचई 4156) में बड़ी मात्रा में शराब की पेटियां रखी हुई हैं और तस्कर माल की डिलेवरी देने जा रहे हैं। उक्त सूचना पर आबकारी की टीम ने घेराबंदी कर उक्त कार को रोका और तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में बीयर की पेटियां बरामद की वहीं कार में सवार दोनों तस्कर दीपक पिता सुरेश राठौर निवासी देवास और अर्जुन पिता मांगीलाल वानमनिया निवासी देवास को गिर तार कर लिया। श्री खरे ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 10 पेटी बोल्ड बीयर बरामद की गई हैं। कुल जब्त बीयर 120.0 बल्क लीटर है। जब्त शराब की कीमत करीब × लाख ×5 हजार रूपए बताई जा रही है। गिर त में आए आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियिम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। इतनी मात्रा में बीयर जब्त कर आबकारी को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

युवती का हाथ पकडक़र छेड़छाड़

इंदौर। युवती का मनचले ने रास्ते में हाथ पकडक़र छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसे धमकाया और भाग निकला। विजय नगर पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय युवती ने रियाज खान निवासी नेहरू नगर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि रियाज को मैं दो वर्ष से जानती हूं, रियाज मुझे आते जाते बुरी नियत से घूरता रहता हैं। गत दिनों मैं मेघदूत चौपाटी विजयनगर घूमने गई थी वहां पर रियाज आया और बुरी नियत से मेरा हाथ पकडक़र बोला मैं तुमको पसंद करता हूं तु मुझसे बात क्यों नही करती हो, मेरे चिल्लाने पर जान से मारने की धमकी दी देकर भाग गया । रियाज खान पहले भी कई बार मुझे बुरी नियत से घूरता है और मुझे अश्लील इशारे करता है ।

दुकान से 16 कट्टे लहसून चोरी

इंदौर। चोइथराम मंडी स्थित एक दुकान में रखे 16 कट्टे लहसून अज्ञात बदमाश चुरा ले गए। मामले में राजेंद्र नगर पुलिस ने फरियादी योगेश पाटीदार निवासी खजराना के खिलाफ केस दर्ज किया है। योगेश ने पुलिस को बताया कि उसकी दुकान का शटर उचकाकर अज्ञात बदमाश हजारों रुपए कीमत के 16 कट्टे लहसून चोरी कर ले गए। जब वह दुकान पहुंचा तो वारदात का पता चला। मामले में पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश कर रही है।

पति ने की मारपीट

इंदौर। राजेंद्र नगर थाने में कोमल लोधवाल निवासी अमर पैलेसे कालोनी ने अपने पति सावन के खिलाफ मारपीट का प्रकरण दर्ज कराया है। कोमल ने पुलिस केा बताया कि कल रात सावन द्वारा खाने की बात को लेकर गालियां दी व गला पकड़ लिया व हाथ मुक्को से मारपीट किया तथा जान से मारने की धमकी दी । इसी प्रकार विजय नगर थाने में निकिता सेंगर निवसी जय अंबेबाग कालोनी मालवीय नगर की रिपोर्ट पर पति दीपक सेंगर पर प्रकरण दर्ज किया गया। निकिता ने पुलिस को बताया कि मेरे सास कला बाई एवं ससुर रामपाल सिंह सेंगर के साथ विवाद कर रहे थे मैने कहा की आप विवाद क्यो कर रहे हो तो इसी बात को लेकर मुझे पति दीपक सेंगर गालिया देने लगे मैने गालिया देने से मना किया तो मुझे हाथ थप्पडो से मारपीट की और कहा कि आईन्दा मेरे मामले में दखल दिया तो तुझे जान से खत्म कर दुगां

'बच्चा' ने किया ब्लेड से हमला

इंदौर। एक व्यक्ति पर हर्ष उर्फ बच्चा नामक बदमाश ने ब्लेड से हमला कर उसे घायल कर दिया। विजय नगर पुलिस ने बताया कि प्रकाशचंद सेठी नगर में रहने वाले राजेन्द्र पिता जवरलाल वर्मा (43) की रिपोर्ट पर इलाके में रहनेवाले हर्ष बच्चा पिता अशोक वर्मा र केस दर्ज किया है। राजेंद्र के मुताबिक मै सेठी नगर में खडा था कि इतने में हर्ष बच्चा आया और मुझसे बोला की तु यहाँ पर कैसे खडा है तो इसी बात लेकर मुझे गालिया देने लगा मैने गालिया देने से मना किया तो मुझे हर्ष बच्चा ने ब्लेड से मुझे दाहिने पर पीछे तरफ मारा जिससे चोट लगकर खून निकलने लगा और जाते जाते बोला कि आईन्दा कही दिखाई दिया तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा।

नशेडियों ने गाड़ी में लगाई आग

इंदौर। बीती रात छत्रीपुरा थाना क्षेत्र में नशेडियों ने उत्पात मचाते हुए एक गाड़ी (आटो रिक्शा) में आग लगा दी। इस दौरान जब आसपास के लोग जागे तो बदमाशों ने घरों पर पत्थर बरसाना शुरू कर दिया। इस पर लोगों ने बदमाशों को घेरा तो वह धमकाते हुए भाग निकले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तब तक बदमाश भाग गए थे। उधर, आग में गाड़ी का अधिकांश हिस्सा जल गया। बताया जाता है कि इस इलाके में नशेड़ी आए दिन इस तरह की हरकत करते रहते हैं। कल रात हुई घटना के बाद से रहवासियों में आक्रोश है।

करणी सेना पदाधिकारी की मौत में उलझी पुलिस

अब तक नहीं खुला मौत का राज

इंदौर। कनाडिया इलाके में करणी सेना के पदाधिकारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बंद कार में उनके शरीर पर दो गोली लगी हुई मिली। पुलिस हत्या और आत्महत्या को लेकर जांच कर रही है, लेकिन मौत का राज अब तक नहीं खुला है। उधर, मामले की जांच में जुटी पुलिस द्वारा सबसे पहले पहुंचने वाले दोस्तों को लेकर छानबीन की जा रही है।

उधर, शुक्रवार को सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी इंदौर एक प्रोग्राम में शामिल होने आए थे। उन्होंने करणी सेना के पदाधिकारी की मौत को हत्या बताया। जिसमें सरकार से गंभीरता से जांच करने की मांग की है। कनाडिया बिसनावदा ग्राम में रहने वाले करणी सेना के पदाधिकारी मोहित पुत्र दिलीप पटेल की मौत की गुत्थी सुलझाने की लिए पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर अलग-अलग टीमें बनाई है, जिसमें सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और एफएसएल रिपोर्ट के साथ परिवार और दोस्तों से जानकारी इकट्?ठा कर रही है। पुलिस अभी तक इसे आत्महत्या ही मानकर चल रही है। लेकिन पुलिस के सामने आत्महत्या की वजह और शरीर पर गोली के दो निशान अभी भी बड़ा सवाल बने हुए हैं। कनाडिया पुलिस की टीम ने घर से मोहित के निकलने के बाद लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें शकुंतला अस्पताल रोड़ पर मोहित की कार निकलती हुई दिखाई दी। इसके बाद बारी-बारी से कई गाडियां निकली। लेकिन मोहित की कार के पास किसी अन्य कार के टायर के निशान पुलिस को नही मिले थे। सबसे पहले पहुंचने वाले दोस्तों की कार भी बाद में ही आती दिखाई दी थी। एक चौकीदार से भी पुलिस ने पूछताछ की। उसने मोहित की कार के पास दोस्तों की कार के अलावा किसी अन्य की कार को आते-जाते नही देखा था।

परविार को भी यकीन नहीं

परिवार के लोगों ने उसे गुस्से का तेज बताया। परिवार के अनुसार मोहित प्रॉपर्टी और लेनदेन को लेकर थोड़ी सी बात में गुस्सा हो जाता था। लेकिन इसे लेकर आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने का परिवार के लोगों को भी यकीन नहीं है।

मोहित पटेल की मौत के मामले में क्षत्रीय करणी सेना ने भी सरकार से जांच की मांग की है। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने कहा कि हमारी सेना का पदाधिकारी मानसिक रूप से कमजोर नही होता कि वह खुद अपने आप को गोली मार ले। उसके साथ गद्दारी हुई है। मोहित की हत्या की गई है। जिसकी सरकार को गंभीरता से जांच की जाना चाहिए।

नशेड़ी ने कर दिया घायल

तिलक नगर थाना क्षेत्र में सुलभ काम्पलेक्स के सामने नशा कर रहे नशेड़ी ने युवक पर ब्लेड से हमला करते हुए उसे घायल कर दिया। रमाबाई नगर में रहने वाले सागर पंवार ने पुलिस को बताया कि दीर्घशंका करने के लिए वह सुलभ काम्पलेक्स पहुंचा जंहा पर पहले से मौजूद शक्ति उर्फ सत्ता ने यह कहते हुए गालियां देना शुरू करर दया। सागर ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट करते हुए उसके गाल पर ब्लेड से हमला कर दिया।

नशे के सौदागरों पर शिकंजा, चार गिरफ्तार

इंदौर। शहर में पुलिस ने क्राइम ब्रांच की मदद से नशे के सौदागरों के खिलाफ मुहिम चला रखी है। तीन स्थानो पर कार्रवाई करेत हुए गांजा और अफीम के साथ चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एरोड्रम क्षेत्र में एक व्यक्ति ब्राउन शुगर की तस्करी करने की फिराक में है इस पर बताए स्थान पर आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी का नाम नितेश सावनेर निवासी नगीन नगर है तलाशी लेने पर उसके पास से 12 ग्राम अवैध मादक पदार्थ पाया गया। इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब एक लाख रूपए है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है इसी तरह थाना छत्रीपुरा ने आरोपी पीयूष पिता मुकेश सिरोंजा निवासी बालदा कालोनी, रितिक पिता विनोद निवासी लाबरिया भेरू को गंगवाल बस स्टैंड पर गिरफ्तार किया। इनके पास से ब्राउन शूगर 8.× ग्राम बरामद हुई। इधर भंवरकुआ पुलिस ने गांजे के साथ पकड़े गए बदमाश से पूछताछ के बाद दो और आरोपी लीलाधर उर्फ श्याम निवासी बावलिया खुर्द और कैलाश निवासी ग्राम पांजरिया धार को तीन इमली ब्रिज के नीचे से गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस ने दस हजार रूपए का गांजा बरामद किया है।

रामकृष्ण मठ

श्रद्धा और आस्था का केंद्र

रामकृष्ण परमहंस एक महान संत आध्यात्मिक गुरु उच्च कोटि के साधक तपस्वी और महान विचारक थे। रामकृष्ण परमहंस ने अपनी साधना और तपस्या से यह सिद्ध कर दिया था कि ईश्वर एक है। उसे पाने के रास्ते अलग-अलग हैं। उन्होंने मंदिर-मस्जिद गिरजाघर जैसे अध्यात्म के केंद्रों में साधना करके यह साबित कर दिया था कि सभी धर्म मानवता और ईश्वर को पाने के साधन हैं, इसलिए उन्होंने कहा था कि किसी असहाय रोगी या जरूरतमंद की सेवा करने से ईश्वर की अनुभूति होती है। उनके शिष्य स्वामी विवेकानंद ने उनके विचारों को आगे बढ़ाते हुए कहा था कि नर सेवा ही नारायण सेवा है इसीलिए हर साल श्री रामकृष्ण परमहंस के जन्मदिन के दिन रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के पूरे विश्व भर में स्थित चिकित्सालय और आश्रमों में रोगी नारायण सेवा की जाती है।

अस्पतालों और मठों में रोगियों को ईश्वर का रूप मानकर उन्हें तिलक लगाया जाता है। फूलों की माला पहनाई जाती है। उन्हें फल और बिस्कुट बांटे जाते हैं। रामकृष्ण परमहंस को उनके भक्तगण भक्ति भाव में ठाकुर कहते हैं। रामकृष्ण परमहंस को बाल्यकाल से ही अपनी साधना और भक्ति पर इतना अधिक विश्वास था कि उन्हें एक दिन ईश्वर यानी मां काली साक्षात रूप से दर्शन देंगी।

इसके लिए उन्होंने कठोर साधना भक्ति और तपस्या का मार्ग चुना और आखिरकार मां काली ने उन्हें साक्षात रूप से दर्शन दिए। कहते हैं कि रामकृष्ण परमहंस कलयुग के ऐसे अकेले साधक थे जिन्हें मां काली ने साक्षात दर्शन दिए। वे मानवता के सच्चे पुजारी थे। उनकी साधना इतनी उच्च कोटि की थी कि उन्होंने अपनी अर्धांगिनी मां शारदा में अपनी पत्नी के बजाय मां भाव के दर्शन किए।

वे साधना के उच्च शिखर पर पहुंच गए थे, जहां हर जीव में केवल ईश्वर के ही दर्शन होते हैं। उनकी साधना इतने अधिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी कि वे एक साधक से परमहंस बन गए और उन्होंने नरेंद्र नाम के युवक में ऐसा पात्र पाया जो उनकी साधना और उनके उद्देश्यों को आगे बढ़ा सके, इसलिए उन्होंने नरेंद्र को दीक्षा और शक्तिपात करके स्वामी विवेकानंद के रूप में उच्च कोटि का साधक बना दिया।

यह कार्य केवल रामकृष्ण परमहंस ही कर सकते थे और उनके सपनों को स्वामी विवेकानंद ने धरातल पर उतारा 1 जून 1901 को स्वामी विवेकानंद के शिष्य स्वामी कल्याणानंद महाराज ने तीर्थनगरी हरिद्वार के कनखल में रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम और मठ की स्थापना की, जहां मठ में वैदिक ऋचाओं के उच्चारण के साथ चिकित्सालय में रोगियों की नारायण के रूप में सेवा की जाती है। आज रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम और मठ उत्तर भारत के सर्वश्रेष्ठ और चिकित्सालय में और मठों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम कनखल के सचिव स्वामी विश्वेशानंद महाराज बताते हैं कि 1974 में कनखल रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम मठ में ठाकुर यानी रामकृष्ण परमहंस का मंदिर बनाया गया, जहां पर ठाकुर की संगमरमर की श्वेत प्रतिमा स्थापित की गई। उसके बाद मठ के परिसर में स्वामी विवेकानंद के जन्म शताब्दी वर्ष में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई।

श्री रामकृष्ण परमहंस जी के मंदिर में नियमित रूप से हर दिन प्रात- वैदिक मंत्रों का उच्चारण, ध्यान, साधना और नित्य पूजा और मंगल आरती की जाती है। साथ ही शाम को संत प्रवचन और सांध्यकालीन आरती की जाती है। रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम मठ की विशेषता यह है कि ईसा मसीह के जन्मदिन दिवस 25 दिसंबर की पूर्व संध्या में हर साल मंदिर के गर्भ गृह में क्रिसमस ट्री स्थापित किया जाता है। मां मेरी और प्रभु यीशु का चित्र लगाकर उनकी पूजा की जाती है और अगले दिन 25 दिसंबर को बड़े दिन के दिन प्रभु यीशु के जन्मदिन पर प्रसाद वितरित किया जाता है।

काली के उच्च कोटि के उपासक

रामकृष्ण परमहंस का बचपन का नाम गदाधर था। बचपन से ही उनको भाव आवेश हो जाया करता था। एक बार पांच वर्ष की आयु में जब उन्होंने आकाश में पक्षियों को एक कतार में उड़ते देखा तो भगवान की लीला देख भावेश हो गया और वे मूर्छित हो गए। गदाधर को रामकृष्ण बनाकर उसे परमहंस की स्थिति तक पहुंचाने वाले उनके गुरु हरियाणा की पावन भूमि के शहर कैथल के समीप गांव बाबा लदाना के एक मठ के महंत नगा बाबा महंत तोतापुरी महाराज थे, जिन्होंने गदाधर को 1865 में अद्वैत वेदांत की शिक्षा-दीक्षा देकर अपना शिष्य बनाया और उसे नाम दिया रामकृष्ण।

कनखल से रामकृष्ण परमहंस का विशेष नाता

श्री रामकृष्ण परमहंस का हरिद्वार कनखल से विशेष नाता रहा है। कनखल में 10 नाम नगा संन्यासियों के अखाड़ों में से एक प्रमुख अखाड़ा श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा स्थापित है और रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक संन्यास दीक्षा देने वाले गुरु महंत तोतापुरी महाराज महानिर्वाणी अखाड़ा के ही सचिव थे इसीलिए रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम मठ के साधु-संतों को हर कुंभ मेले में स्नान के लिए निकलने वाली पेशवाई में विशिष्ट स्थान दिया जाता है और उनके संत रथ में सवार होकर कुंभ स्नान के लिए पेशवाई के साथ जाते हैं।

मठ के साधु संत उच्च शिक्षित

रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम और मठ में जो साधु संत हैं वे उच्च कोटि के विद्वान हैं और उनमें से कई तो उच्च कोटि के चिकित्सक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एमबीए, इंजीनियर आदि शामिल हैं जिनमें प्रमुख रूप से तीन डाक्टर स्वामी ज्ञाना अस्पानंद महाराज (बाल चिकित्सा विशेषज्ञ डाक्टर रविंद्र महाराज),स्वामी दयाआरणवनंद महाराज (मधुमेह विशेषज्ञ स्वामी रविंद्र महाराज) और स्वामी दयाधिपानंद महाराज(डा शिवकुमार) शामिल हैं।

समर वेकेशन में घूमने के लिए बेस्ट है मध्य प्रदेश का

कान्हा नेशनल पार्क

अगर आप गर्मियों में घूमने के लिए किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं जहां आप फैमिली और दोस्तों के साथ मौज-मस्ती कर सकते हैं तो मध्य प्रदेश का कान्हा नेशनल पार्क है इसके लिए बेस्ट। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, कू ऐप पर मध्य प्रदेश टूरिज्म ने अपने ऑफिशियल पेज पर की गई लेटेस्ट पोस्ट में इस खूबसूरत जगह के बारे में जानकारी दी है। मध्य प्रदेश पर्यटन ने अपनी कू पोस्ट में लिखा, जून में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में आकर बेहतरीन लें गर्मी का मज़ा।

अतुल्य कान्हा राष्ट्रीय उद्यान

मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान यानी कान्हा नेशनल पार्क भी बाघों का घर है। ये पार्क दो जिलों- मंडला और बालाघाट में फैले सतपुड़ा की मैकाल पहाड़ियों में स्थित है। 940 वर्ग किमी में फैला ये उद्यान भारत के मैनेज्ड वन्यजीव राष्ट्रीय उद्यान में से एक माना जाता है। इसे 1879 में एक संरक्षित वन घोषित किया गया था और 1933 में एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया। 1930 के दशक में, कान्हा को क्रमश: 250 वर्ग किमी और 300 वर्ग किमी के दो अभ्यारण्य हॉलन और बंजार में विभाजित किया गया।

कान्हा नेशनल पार्क में घूमने वाली जगहें

कान्हा संग्रहालय

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के अंदर स्थित कान्हा संग्रहालय का रखरखाव राज्य के वन विभाग द्वारा किया जाता है। खटिया (किसली) गेट के करीब स्थित इस संग्रहालय में साल भर जाया जा सकता है और यह वन्य जीवन, वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए एक परफेक्ट जगह है।

लापसी काबर

लापसी नाम के एक साहसी, विशेषज्ञ शिकारी और गाइड ने अपने खिलाड़ी साथियों की जान बचाने की कोशिश में एक खूंखार बाघ से लड़ते हुए अपनी जान गंवा दी थी। उनकी याद में, उस स्थान पर एक समाधि बनाई गई है जहां उन्होंने बाघ से लड़ाई की थी। आज लापसी काबर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान का एक महत्वपूर्ण स्थान है।

श्रवण ताल

कान्हा टाइगर रिजर्व में स्थित एक छोटा तालाब वह स्थान माना जाता है जहां श्रवण कुमार अपने नेत्रहीन माता-पिता को ले गए थे और इस तालाब से पानी लाते थे। पानी लाते समय श्रवण को भगवान राम के पिता दशरथ ने मार डाला था। इसलिए तालाब का नाम श्रवण कुमार के नाम पर रखा गया है।

सिंदूर के पेड़

भारतीय घरों में नियमित रूप से इस्तेमाल होने वाले सिंदूर को इसी पेड़ की किस्म से निकाला जाता है, जो इस राष्ट्रीय उद्यान में बहुतायत में पाया जाता है।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अखबार

अब दीजिये विज्ञापन शहर के अपने रंजीत टाइम्स अख़बार में।

WAYS TO PROMOTE YOUR BUSINESS

विवाह,शोक पत्र, बर्थडे, व्यापार आदि प्रकार के सम्बंधित विज्ञापन दिए जाते है।

राजनीति 24 .NEWS

BOOK NOW

8889066688, 9109639404

इंग्लैंड में ही क्यों होता है WTC फाइनल

4 फैक्टर्स में जानें भारत-ऑस्ट्रेलिया या किसी और देश को क्यों नहीं मिली मेजबानी

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला 2 दिन बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। मैच इंग्लैंड में लंदन के द ओवल मैदान पर होगा। WTC का पहला फाइनल भी इंग्लैंड में ही हुआ था और 2025 का फाइनल भी इंग्लैंड में ही होगा। 2021 में साउथैम्पटन के मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड चैम्पियनशिप के लिए भिड़े थे। वहीं 2025 में लंदन के ही लॉर्ड्स मैदान पर चैम्पियनशिप का तीसरा फाइनल खेला जाएगा।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल इंग्लैंड में ही हर बार क्यों WTC फाइनल का आयोजन करा रहा है। इस सवाल का जवाब हम 4 फैक्टर्स की मदद से जानेंगे और समझेंगे कि भारत, ऑस्ट्रेलिया या किसी तीसरे देश को चैम्पियनशिप की मेजबानी क्यों नहीं दी गई।

पहला फैक्टर-इंडियन ऑडियंस के लिए बेस्ट टाइमिंग

क्रिकेट का सबसे बड़ा मार्केट भारत है। भारत में सबसे ज्यादा क्रिकेट दर्शक हैं। इस वजह से कमाई भी सबसे ज्यादा भारत से होती है। पिछले दिनों जारी हुए ICC के रेवेन्यू मॉडल में भी भारत को अगले 4 सालों तक ICC की कमाई का 38.5% हिस्सा शेयर किया जाएगा। बाकी किसी भी देश को कमाई का 7% हिस्सा भी नहीं मिलेगा।

भारत को इतनी ज्यादा हिस्सेदारी देने के पीछे कारण भारत की ऑडियंस और BCCI की मदद से होने वाली ICC की कमाई है। ICC की सबसे ज्यादा कमाई BCCI की मदद से होती है। ऐसे में ब्रुष्टष्ट ज्यादातर टूर्नामेंट्स की टाइमिंग भारत की ऑडियंस को देखते हुए ही रखता है।

इंग्लैंड में 7 से 11 जून के बीच जो WTC फाइनल खेला जाएगा, उसमें दिन का खेल भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होने के बाद रात 11:00 बजे तक चलेगा। जो भारत में क्रिकेट देखने वाली ऑडियंस के लिए प्राइम टाइम की तरह है। टीम इंडिया अगर WTC के फाइनल में नहीं पहुंचे तो भी ICC इवेंट्स को देखने वाले ज्यादातर दर्शक भारतीय ही होते हैं।

दूसरा फैक्टर- इस विंडो में इंग्लैंड में ही खेल संभव

इंग्लैंड के अलावा एशियाई देश और साउथ अफ्रीका में ही भारतीय दर्शकों की टाइमिंग के हिसाब से टेस्ट मैच होते हैं। लेकिन इन सभी देशों में जून के दौरान क्रिकेट नहीं खेला जाता और ICC हर इवेंट के लिए एक विंडो पहले से तय रखता है। वर्ल्ड क्रिकेट के बिजी शेड्यूल और दुनियाभर में हो रही फ्रेंचाइजी क्रिकेट को देखते हुए ICC ने WTC फाइनल का विंडो जून महीने को रखा। यानी 2021 से 2025 तक इसी महीने में टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल होना तय है। इंग्लैंड के साथ श्रीलंका और वेस्टइंडीज में भी जून के दौरान क्रिकेट पॉसिबल है। श्रीलंका में इस दौरान मैच तो होते हैं, लेकिन कई बार उनमें बारिश के कारण दिक्कतें होती हैं। वहीं वेस्टइंडीज में डे-टेस्ट मैच शाम 7:30 बजे शुरू होते हैं। ऐसे में दिन का खेल खत्म होते-होते रात के 3:00 बज जाते हैं, जो इंडियन ऑडियंस के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, एशिया और बाकी टेस्ट प्लेइंग नेशंस के लिए भी सूटेबल नहीं है।

जून के दौरान भारत, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रिका जैसे देशों में क्रिकेट नहीं होने की सबसे बड़ी वजह यहां का मौसम भी है। भारत में इस दौरान बारिश शुरू हो जाती है, साउथ अफ्रीका में इस दौरान बारिश खत्म हो रही होती है। वहीं ऑस्ट्रेलिया में इस दौरान बहुत ज्यादा ठंड पड़ती है, जिसमें क्रिकेट पॉसिबल नहीं होता। इसी कारण ऑस्ट्रेलिया समेत बाकी देश इस दौरान उन देशों का दौरा करते जहां जून, जुलाई और अगस्त में क्रिकेट पॉसिबल हो पाता है। WTC खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया 16 जून से इंग्लैंड में ही एशेज सीरीज खेलेगा, वहीं टीम इंडिया जुलाई में वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। साउथ अफ्रिका टीम इस दौरान कोई इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल रही है।

तीसरा फैक्टर- इंटरनेशनल टूरिस्ट्स का हॉट स्पॉट

इंग्लैंड में मई से सितंबर तक गर्मियों का मौसम रहता है। वैसे तो इंग्लैंड में पूरे साल ठंड रहती है और कभी भी बारिश आ सकती है, लेकिन मई से अगस्त तक यहां गर्मियों का सीजन रहता है। इस दौरान यहां बहुत ज्यादा पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। विजिट ब्रिटेन वेबसाइट के अनुसार, पिछले साल इंग्लैंड में जून-जुलाई के दौरान करीब 38 लाख से भी ज्यादा टूरिस्ट पहुंचे थे। जो पूरे साल में सबसे ज्यादा है।

विजिटर्स तो गर्मियों में इंग्लैंड आते ही हैं, इस दौरान यहां इंग्लैंड के तीनों फॉर्मेट के घरेलू टूर्नामेंट (काउंटी चैम्पियनशिप, टी-20 ब्लास्ट और वनडे-कप) भी होते हैं। जुलाई के शुरुआती सप्ताह तक घरेलू टूर्नामेंट खत्म होने के बाद जुलाई अंत से अगस्त तक इंग्लैंड का फ्रेंचाइजी क्रिकेट टूर्नामेंट **द हंड्रेड** होता है। इस दौरान यहां इंटरनेशनल क्रिकेट जारी रहता है। मई से सितंबर तक इंग्लैंड में बारिश भी बहुत कम ही मौकों पर मुश्किलें पैदा करती हैं।

चौथा फैक्टर- इंग्लैंड में सभी टीमों का फैनबेस मौजूद

इंग्लैंड उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिसने इतिहास में पूरी दुनिया पर राज किया। यही वजह है कि अब जब सभी देश आजाद हो चुके हैं, तब भी इंग्लैंड की आबादी के 5.60 करोड़ लोगों में 9त्न लोग (करीब 60 लाख) दूसरे देशों के ही हैं। इनमें भी करीब 18.65 लाख (3.1त्न) भारतीय हैं, यानी इंग्लैंड के किसी भी मैदान पर भारत का मैच हो, टीम इंडिया को सपोर्ट करने के लिए फैंस की कमी कभी भी नहीं रहेगी।

ये तो हुई इंग्लैंड देश की बात, लेकिन लंदन में कितने भारतीय हैं, जहां WTC का फाइनल होगा? लंदन की आबादी करीब 90 लाख है, यहां भी 7% से ज्यादा (करीब 6.56 लाख) लोग भारतीय ही हैं। पूरे इंग्लैंड में 9% के मुकाबले लंदन में सबसे ज्यादा 37% (करीब 33.5 लाख) माइग्रेंट्स रहते हैं। भारतीयों के अलावा यहां करीब 54 हजार ऑस्ट्रेलियन भी हैं। ऐसे में फाइनल के दौरान द ओवल स्टेडियम की 27,500 में से एक भी सीट खाली रहने की उम्मीद बहुत कम है।

इंग्लैंड को सबसे ज्यादा ICC इवेंट्स मिले

WTC फाइनल के लिए तो ICC ने फिलहाल जून का स्लॉट फिक्स कर रखा है। लेकिन बाकी देशों के मुकाबले इंग्लैंड को ही ICC ने पुरुष इवेंट्स की सबसे ज्यादा मेजबानी दी है। ICC के पहले इवेंट वनडे वर्ल्ड कप के शुरुआती 3 एडिशन (1975, 1979 और 1983) भी इंग्लैंड ने ही होस्ट किए।

शुरुआत में ऐसा करने की वजह ये थी कि इसी देश में सबसे ज्यादा क्रिकेट खेला जाता था और इंग्लैंड में क्रिकेट ग्राउंड का स्ट्रक्चर उस वक्त तक बाकी देशों के मुकाबले कहीं ज्यादा एडवांस था। लेकिन 1987 के दौरान भारत और पाकिस्तान को वर्ल्ड कप की मेजबानी मिलने के बाद बाकी देशों को भी ICC इवेंट्स के होस्टिंग राइट्स मिलने लगे। ICC सीनियर मेंस टूर्नामेंट की बात करें तो चैंपियंस ट्रॉफी, टी-20 वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप और वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की मेजबानी सबसे ज्यादा 11 बार इंग्लैंड को मिली है। वहीं 6 इवेंट्स की होस्टिंग के साथ भारत दूसरे नंबर पर है। श्रीलंका ने 4 ICC इवेंट्स होस्ट किए हैं। वहीं इन तीनों के अलावा किसी भी देश ने 3 से ज्यादा इवेंट्स होस्ट नहीं किए।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जून से शुरू हो रहे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को जीतने वाली टीम इतिहास रच देगी। टीम WTC जीतने के साथ ही ICC के सभी मेंस टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। दोनों ही टीमों ने ICC के अंडर-19, टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप समेत चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती है। दोनों ही देशों के पास WTC की सबसे ज्यादा 11-11 ट्रॉफी भी हैं।

'सत्यप्रेम की कथा' का ट्रेलर रिलीज-फैंस को पसंद आई कार्तिक-कियारा की केमिस्ट्री, बोले- बॉलीवुड इग्नोर कर सकते हैं पर कार्तिक को नहीं

कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर का फर्स्ट हाफ फनी और सेकंड हाफ इमोशनल है। समीर विध्वंस निर्देशित फिल्म में कार्तिक, सत्यप्रेम नाम के एक गुजराती लड़के की भूमिका निभा रहे हैं जो जल्द से जल्द शादी करना चाहता है। वहीं कियारा उनकी लव इंट्रेस्ट कथा के रोल में नजर आएंगी। यह म्यूजिक लव स्टोरी 29 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमोशंस और म्यूजिक से भरपूर है ट्रेलर

फिल्म का ट्रेलर ड्रामा, रोमांस, इमोशंस और म्यूजिक से भरपूर है। इसकी शुरुआत होती है सत्यप्रेम से जो कथा से पूछता है कि क्या वो सिंगल है? भले ही कथा का बॉयफ्रेंड है पर सत्यप्रेम उससे कहता है कि वो उसके लिए इंतजार करेगा। दोनों को एक दूसरे से प्यार हो जाता है और उनकी शादी भी तय हो जाती है। यहां आता है एक ट्विस्ट जिसके बारे में मेकर्स ने ट्रेलर में रिवील नहीं किया है।

व्यूअर्स को पसंद आया ट्रेलर

ट्रेलर को पब्लिक से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। व्यूअर्स को कार्तिक और कियारा की जोड़ी बेहद पसंद आ रही है। ट्रेलर पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'आप बॉलीवुड को इग्नोर कर सकते हो पर कार्तिक आर्यन को नहीं।' वहीं एक यूजर ने कमेंट किया, 'प्योर लव स्टोरी, फुल फैमिली एंटरटेनर।'

धरती पुत्र किसानों के संकल्प से सार्थक हुआ विश्व पर्यावरण दिवस - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री ने 22 हजार किसानों द्वारा एक करोड़ 20 लाख पौधे लगाने के अभियान का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ घातक है। हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को जीने लायक बनाए रखने के लिए हम सबको व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण-संरक्षण की दिशा में कार्य करना होगा। अपने जन्म-दिन, वैवाहिक वर्षगाँठ, परिजन की स्मृति तथा जीवन की अन्य उपलब्धियों पर पौधे लगा कर और उनकी देख-रेख की जिम्मेदारी लेकर प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने में अपना योगदान दे सकते हैं। किसान भाई धरती पुत्र हैं, धरती को बचाने की सबसे अधिक जिम्मेदारी उन पर है। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक करोड़ 20 लाख पौधे लगाने का अभियान आरंभ कर किसानों ने इस दिवस को सार्थक कर दिया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास कार्यालय से विश्व पर्यावरण दिवस पर नर्मदापुरम जिले के सिवनीमालवा के आवली घाट में रुपई एग्रो फाउंडेशन प्राइवेट लिमिटेड के विशाल कृषक एवं नर्मदा संरक्षण संकल्प अभियान का वर्चुअल शुभारंभ कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पौध-रोपण के इस अभियान से जुड़ी संस्थाओं और 22 हजार किसानों का यह प्रयास अभिनंदनीय हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रूपई एग्री फॉरेस्ट के संचालक श्री गौरीशंकर मुकाती की तुम मुझे मेढ़ दो-मैं तुम्हें पेड़ दूँगा की पहल की सराहना कर उन्हें पेड़ **बाबा** की उपाधि दी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति के शोषण नहीं दोहन का दृष्टिकोण अपनाना होगा। मुख्यमंत्री ने दैनिक अनोखा तीर समाचार-पत्र के विशेषांक **तपती धरती** का विमोचन भी किया। उल्लेखनीय है कि माखन नगर, इटारसी, डोलरिया, नर्मदापुरम, सीहोर, रेहटी और भैरूंदा के 22 हजार किसानों द्वारा अपने खेतों में अभियान चला कर पौध-रोपण किया जाएगा।

कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने पौधरोपण के इस अभियान से जुड़े प्रेरक किसानों को जैविक मूंग वितरित कर सम्मानित किया और दुर्घटना बीमा भी प्रदान किया। मंत्री श्री पटेल ने पौध-रोपण कर सभी को पर्यावरण-संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

श्री मुकाती ने बताया कि वर्ष 2030 तक 50 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प है। इस कार्य में जुड़े सभी किसानों को दुर्घटना बीमा भी प्रदान किया जाएगा। म.प्र. पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री

मुख्यमंत्री, नर्मदापुरम के आंवली घाट के कृषक सम्मेलन से वर्चुअली जुड़े

तपन भौमिक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रतिदिन पौधा लगा कर पर्यावरण-संरक्षण के लिए व्यक्तिगत स्तर पर सार्थक प्रयास का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रदेशवासियों को भी मुख्यमंत्री श्री चौहान से प्रेरणा लेकर विशेष अवसरों पर पौध-रोपण अवश्य करना चाहिए।

विशेषज्ञ श्री संदीप राय ने कार्बन क्रेडिट के महत्व और डायरेक्टर आईएमपीसी श्री विक्रांत तिवारी ने पौध-रोपण से पर्यावरण तथा जैव विविधता के सरंक्षण संबंधी जानकारी दी। विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा ने भी संबोधित किया। इस दौरान धर्माचार्य, संत एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

प्रसूति सहायता की राशि लाभार्थियों के खाते पहुँचाने त्वरित कार्यवाही करें - मंत्री डॉ. चौधरी

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि प्रसूति सहायता योजना की राशि लाभार्थियों के बैंक खाते में त्वरित पहुँचाने की कार्यवाही करें। मंत्री डॉ. चौधरी आज मंत्रालय में श्रमिक सेवा (प्रसूति सहायता) योजना और जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा कर रहे थे।

मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि योजना में कुछ प्रकरणों में पंजीकृत महिलाओं के पोर्टल पर बैंक खाता संख्या आदि के दर्ज होने में त्रुटियाँ होने से राशि खाते में अंतरित नहीं होने की शिकायते प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों को गंभीरता से ले और त्रुटियों को दूर कर लाभार्थियों के खाते में राशि पहुँचाना सुनिश्चित करें। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि मैदानी क्षेत्र में पदस्थ अमले को सक्रिय करें। बताया गया कि वर्ष 2020-21 से 2022-23 की अवधि में मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना में 2 लाख 18 हजार 657 और जननी सुरक्षा योजना में एक लाख 82 हजार 719 हितग्राहियों की लाभांवित किया गया है। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, एम.डी. एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास और अधिकारी उपस्थित थे।

कलचुरी समाज का प्रदेश के विकास में अहम योगदान- मुख्यमंत्री श्री चौहान

श्री सहस्त्रबाहु मंदिर के विकास एवं सामुदायिक भवन का हुआ भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री कलचुरी समाज के महासम्मेलन में हुए शामिल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज कलचुरी समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए और श्री सहस्त्रबाहु भगवान मंदिर के विकास एवं सामुदायिक भवन का भूमि-पूजन किया। ई-8, अरेरा कॉलोनी वसंत कुंज,भोपाल स्थित मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूजा-अर्चना भी की। प्रारंभ में मुख्यमंत्री का समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कलचुरी समाज परिश्रमी समाज है, जिसका प्रदेश के विकास में योगदान है। समाजों के उत्थान से देश और प्रदेश का भी उत्थान होता है। समाज द्वारा दिए गए सुझावों के अनुरूप शासन द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। शिक्षा और व्यवसाय के क्षेत्र में समाज के निर्धन वर्ग के विकास के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। महासभा के पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिलीप सूर्यवंशी को सम्मानित भी किया।महापौर श्रीमती मालती राय, सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, पूर्व विधायक कोतमा श्री दिलीप जायसवाल सहित डॉ. एल.एन. मालवीय, श्री अरविंद वर्मा, श्री राजेश चौकसे सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत पुष्पहार से किया गया।

48 करोड़ रूपये से होगा सिंगरौली जिले में बिजली अधो-संरचना का सुदृढ़ीकरण

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया हैं कि सिंगरौली जिले के विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने एवं विद्युत हानियों को कम करने के उद्देश्य से 48 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं। इसमें से भारत सरकार द्वारा रिवेंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के प्रथम चरण के तहत 37 करोड़ रूपये और राज्य सरकार द्वारा 12 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए हैं।

एकीकृत राशि से कराये जाने वाले कार्यों में 132/33 केव्ही अतिरिक्त उच्च दाब पॉवर ट्रासफार्मर स्थापना, 4 नवीन 33/11 केव्ही उपकेंद्र निर्माण, वोल्टेज व्यवस्था में सुधार के लिए 9 स्थानों पर कैपेसिटर बैंक स्थापना, 21 उच्च दाब फीडरों का विभक्तिकरण कार्य, 168 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापना, 2369 किलोमीटर निम्न दाब लाइनों का केबलिंग कार्य एवं 280 उच्च दाब फीडरों का विभक्तिकरण और कंडक्टर क्षमता वृद्धि के कार्य सम्मिलित हैं।

वह चाहती है कि मनुष्य उस स्तर पर जाए जहाँ वे परमेश्वर के राज्य, सदशिव के राज्य में प्रवेश करते हैं जहाँ आनंद है, क्षमा है, वहाँ आनंद है.

[ईश्वर सर्वशक्तिमान]

मनुष्यों के दिलों में परिलक्षित होता है, सभी रचनाओं के बीच वह स्पंदित होता है।. लेकिन वह दालें, स्पंदन प्रिमोर्डियल मदर की ऊर्जा है।. और वह आदि शक्ति की योजनाओं के खिलाफ जाने वाली किसी भी चीज को नष्ट कर सकता है।. आदि शक्ति प्रेम है, वह क्षमा करती है और वह प्यार करती है।. वह अपनी रचना से प्यार करती है।. वह चाहती है कि सृष्टि समृद्ध हो, उसी स्तर तक जाए जिसके लिए इसे बनाया गया था।. वह चाहती है कि मनुष्य उस स्तर पर जाए जहाँ वे परमेश्वर के राज्य, सदशिव के राज्य में प्रवेश करते हैं जहाँ आनंद है, क्षमा है, वहाँ आनंद है। यह सब केवल तभी संभव है जब आप मांग रहे हों, कि आपके पास वहां रहने की जन्मजात इच्छा भी हो।. हमारे भीतर की यह इच्छा प्रधान माँ के प्रतिबिंब के रूप में परिलक्षित होती है।. अब यह इच्छा है और अन्य सांसारिक इच्छाएँ भी हैं जो आपकी चढ़ाई की प्रगति को रोकती हैं।

सहज योग में हमने कभी भी सन्यास को लेने या घर से दूर भागने या उन सभी प्रकार की चीजों के लिए इच्छाओं को दूर करने की कोशिश नहीं की है जो सुझाए गए हैं।. पहली बात यह है कि आप अपनी आत्मा का प्रकाश प्राप्त करते हैं।. आत्मा सदाशिव का प्रतिबिंब है।. उस प्रकाश में वह दिखाता है, वह सिर्फ रास्ता दिखा रहा है।. आत्मा एक प्रकाश की तरह है जो जल रहा है और जो मार्ग दिखा रहा है।. उस मार्ग में आप स्वयं इतने समझदार हो जाते हैं कि आप ज्ञान के प्रकाश में चलते हैं, कि आप धार्मिकता के प्रकाश में चलते हैं, क्योंकि जो कुछ भी विनाशकारी है वह आपकी आत्मा के प्रकाश के माध्यम से देखा जाता है।. आप वह सब छोड़ना शुरू कर देते हैं जो विनाशकारी है।. किसी को भी आपको यह बताने की जरूरत नहीं है: ह्रइसे छोड़ दो, वह छोड़ दो।.₹आप स्वयं महसूस करते हैं कि:₹ यह गलत है और हमें हार माननी चाहिए।

यह था, मुझे कहना चाहिए, मनुष्य की अपनी समझ।. क्योंकि ये वे दिन हैं जहां लोग पूरी तरह से भ्रम में हैं।. वे हर समय संघर्ष में रहते हैं यहां तक कि अस्तित्व के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।. इन परिस्थितियों में, सब कुछ विफल हो जाता अगर आपने एक सन्यास लेना शुरू कर दिया होता और फिर हिमालय और उस सब पर जा रहे होते।

यदि आपको जनता के लिए ऐसा करना है, तो कुछ को कट्टरपंथी बनाना होगा और सौभाग्य से मैं यह पता लगाने में सक्षम हूं कि आप अपने अंकुर, अपने बोध को प्राप्त कर सकते हैं।.

अब कुछ लोग जिन्हें बोध प्राप्त होता है, उन्हें कुछ चीजों को समझना पड़ता है क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं कि बहुत से लोग हैं जिन्हें बोध हुआ है।. मुझे नहीं पता कि कितने हैं, मैं गिनती नहीं रखता।. लेकिन उनमें जो कमी है वह समर्पण है।. यह कहना शर्मनाक है लेकिन एक तथ्य है।. यह आधुनिक सहजा योग की एकमात्र शर्त है जिसे आपको वास्तव में आत्मसमर्पण करना होगा।. यदि आप अपने मस्तिष्क का उपयोग करना शुरू करते हैं, यदि आप सहजा योग को समझने के लिए अन्य तरीकों का उपयोग करना शुरू करते हैं, तो आप नहीं कर सकते।. आपको आत्मसमर्पण करना चाहिए और - जैसा कि इस्लाम समर्पण के अलावा कुछ भी नहीं है, इस्लाम का अर्थ है आत्मसमर्पण - और यदि वह समर्पण नहीं है, तो परमेश्वर के राज्य में किसी को भी स्थापित करना असंभव है।.

इन्दौर के नेहरू पार्क में आई ट्रेन

इंदौर के बीचों बीच स्थित नेहरू पार्क का सबसे बड़ा आकर्षण यहां चलने वाली टॉय ट्रेन है, जो पिछले 13 साल यानी 2013 से बंद है। लेकिन अब यह टॉय ट्रेन नेहरू पार्क में एक बार फिर पटरियों पर दौड़ने लगेगी। इसके लिए शुक्रवार रात 2 बजे जोधपुर से रेल का इंजन और बोगियां विशालकाय ट्राले में नेहरू पार्क लाई गई है।

इसका ट्रायल रन सोमवार-मंगलवार को किया जाएगा। ट्रायल रन ठीक से रहने पर इस माह के अंत से टॉय ट्रेन को बच्चों के लिए शुरू किया जाएगा। बच्चों के लिए इसका किराया 50 रुपए रखा जा सकता है। ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे इसमें बैठ सकें।

इंदौर स्मार्ट सिटी अधिकारी डॉ. डीआर लोधी ने बताया कि टॉय ट्रेन शुक्रवार देर रात को इंदौर पहुंची है। जिसका ट्रायल रन एक से दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। जिसके बाद इसे बच्चों के लिए शुरू किया जाएगा। टॉय ट्रेन का किराया 50 रुपए तय किया गया है। नेहरू पार्क में चलने वाली टॉय ट्रेन के संचालन की जिम्मेदारी राजस्थान की एजेंसी को दी गई है। एजेंसी 60 लाख रुपए खर्च कर टाय ट्रेन को तैयार कर इंदौर लाई है।

राला मंडल के पास एक और एडवेंचर

1 जुलाई से शुरु होगा उमरीखेड़ा पार्क

झूले ,तालाब,पेड़ों के बीच झोपड़ी देगी जंगल सा एहसास

इन्दौर(अशोक सैनी)। खडंवा रोड पर रालामंडल के बाद वन विभाग ने एडवेंचर, ट्रेकिंग के लिए एख और सौगात दी है। ग्राम उमरीखेड़ा में उजाड़ पड़ी नर्सरी को विकसित किया गया है। यहां पर पिकनिक स्पॉट बनाया गया है। वहीं जंगल का अहसास कराने के लिए ट्रेकिंग ट्रैक भी है। 1 जुलाई से इसे शुरु किया जाएगा। इसकी देखभाल पर्यटकों से नाम मात्र की फीस के रुप से मिलने वाली राशि से होगी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यहां पौधे लगाने का कार्यक्रम हुआ । डीएफओ नरेन्द्र पडंवा ने इस पार्क को आम लोगों के लिए खोलने से पहले तैयारियों का जायजा लिया । पेड़ों से बंधे झुले, बांस का पुल , तालाब किनारे ट्रैकिंग ट्रैक व सुविधा केन्द्र। यहां कैंटीन आदि की व्यवस्था नहीं है। बैठने के लिए एक बगीचा है। इसके अलावा कच्चे रास्ते को ठीक किया गया है। बांस के पुल के अलावा इसी से बनी एक झोपड़ी भी बनाई गई है। पेड़ों के बीच बनी यह झोपड़ी जंगल में होने का अहसास कराती है।

पेड़ों पर लगे है क्यूआर कोड

दरअसल मानसून में हर कोई अपने परिवार के साथ या तो पर्यटन स्थल घूमने के लिए जाता है या फिर ऐसे हरे जंगलों में हरियाली का आनंद लेते हैं, जहां पर उन्हें प्रकृति का आनंद मिल सके। ऐसे में जिस पार्क के बारे में हम बता रहे हैं यह काफी शानदार है और इसमें आने वाले पर्यटकों को अब कई तरह की सुविधा मिलेगी।

बता दें कि जंगल में पेड़ों की खूबसूरती नजर आती है इसके साथ ही पेड़ों पर क्यूआर कोड लगा दिए गए हैं, ताकि पर्यटन से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सके। इसके अलावा इस पार्क में तालाबों के पास पर्यटकों रूकने के लिए यह झोपड़ी बनाई है जिसमें वहां आसानी से रात रुक सकते हैं। इंदौर बन मंडल के डीएफओ नरेंद्र पंडवा की मानें तो पर्यटकों के लिए मिट्टी के घर के साथ ही टेंट की सुविधा भी रखी जाएगी।

बता दें कि इस पर्यटन स्थल में जंगल घूमने वालों के लिए 2 किलोमीटर का पैदल ट्रैक होगा। जिसमें पहाड़ी पर थोड़ी ऊंचाई का भी ट्रैक बनाया गया है। 6 किमी लंबा है और जंगल सफारी के लिए 10 किमी में घूमने की सुविधा भी जुटाई जा रही है। विभाग की सफारी शुरू करने योजना कुछ महीनों बाद की है। डीएफओ की माने तो जंगल सफारी के लिए पर्यटकों का रुझान देखने के बाद यहां जिप्सी चलाएंगे। हालांकि इस प्रोसेस में थोड़ा समय लग सकता है।

190 हेक्टेयर में बना है ये पार्क

दरअसल 190 हेक्टेयर में फैले इस पार्क को शुरू करने के लिए वन विभाग की तैयारी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इंदौर से कुछ ही दूरी पर उमरीखेड़ा एडवेंचर पार्क है। जंगल घूमने वालों के लिए 2 किलोमीटर का पैदल ट्रैक होगा।

इस पार्क में मिलती है ये सुविधा

इस पार्क में पर्यटकों को कई तरह की सुविधा मिलेगी। यहां पर ठहरने के लिए लोगों के लिए मिट्टी के घर बनाए गए हैं। इसके अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए यहां पर कैंप फायर की सुविधा भी है। वहीं इसमें प्रवेश करने के लिए पर्यटक को से महज 20 रुपये के शुल्क ली जाती है। फिलहाल यहां की सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा यहां पर पौधों पर क्यूआर कोड भी लगाए गए हैं जिससे पर्यटक इन पौधों की जानकारी ले सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)